साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 252 | जौनपुर, शनिवार, 08 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भाजपा कार्यालय पर एनडीए की जीत का मना जश्न

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव 2024 में एनडीए की जीत और नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय पर जश्न मनाया। इस मौके मिठाइयां बांटी और पटाखे फोड़े गए।

इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता काफी खुश नजर आए। वहीं, एनडीए की जीत को लेकर संसदीय दलों की बैठक में कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिर दोहराया कि उनके जीवन का हर एक पल देश के लिए है। आने वाले पांच साल में देश नई ऊंचाइयों को छुएगा और खुशहाली और समृद्धि आएगी।

इस बार के चुनाव में एनडीए को 293 सीटों पर जीत मिली है। इससे तय हो गया है कि केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनने जा रही है। इस जीत से भाजपा कार्यकर्ता बेहद खुश नजर आ रहे हैं।

भाजपा मुख्यालय में आयोजित जश्न में पार्टी की महिला कार्यकर्ता भी शामिल रहीं और कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा।

भाजपा कार्यालय में भारत माता की जय के नारे लगे। कार्यकर्ताओं ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपने पुराने वैभव को प्राप्त करने के लिए बढ़ रहा है।

दिल्ली में आने वाले पानी का प्रवाह कम कर रहा है हरियाणा – आतिशी

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को हरियाणा सरकार पर पिछले तीन दिन में राष्ट्रीय राजधानी में आने वाले पानी का प्रवाह कम करने का आरोप लगाया है। उनकी यह टिप्पणी उच्चतम न्यायालय द्वारा हिमाचल प्रदेश सरकार को राष्ट्रीय राजधानी में 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश दिए जाने के एक दिन बाद आई है। न्यायालय ने सुनवाई के दौरान हरियाणा से जल के प्रवाह को सुगम बनाने के लिए कहा है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि पानी को लेकर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। राजधानी दिल्ली इस भीषण गर्मी में जल संकट से जूझ रही है। इसी जल संकट को लेकर सोशल मीडिया मंच एक्स पर आतिशी ने पोस्ट किया, ''...माननीय उच्चतम न्यायालय दिल्ली के जल संकट को हल करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन हरियाणा दिल्ली के लोगों के खिलाफ साजिश रच रहा है। जब शीर्ष अदालत में इस मामले को लेकर सुनवाई चल रही थी, तब हरियाणा पिछले तीन दिन से राजधानी को दिए जाने वाले पानी में लगातार कटौती कर रहा है। पानी की स्थिति का आकलन करने के लिए आतिशी का आज वजीराबाद बैराज का दौरा करने का कार्यक्रम है।

राजनाथ ने एनडीए संसदीय दल के नेता के रूप में मोदी के नाम का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। संविधान सदन में हुई एनडीए की संसदीय दल की बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव रखने के दौरान उन्होंने कहा कि पीएम पद के लिए नरेंद्र मोदी ही सबसे उपयुक्त नेता हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की प्रमाणिकता और कार्य कुशलता को पूरे देश ने भली प्रकार से देखा है। उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में हुए विकास कार्यों की अदालत एनडीए सरकार की देश के साथ–साथ विदेश में भी जमकर तारीफ हो रही है। इस दौरान उन्होंने बताया कि 1962 के बाद देश में यह पहला मौका है जब कोई नेता लगातार तीसरी बार देश की सत्ता संभालेगा। राजनाथ सिंह ने दावा किया कि दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का गौरव एनडीए को प्राप्त होने जा रहा है। उन्होंने विश्वास बताया कि एनडीए के सभी दल निश्चित रूप से गठ बंधन धर्म का पालन करेंगे।

नई सरकार बनाने का मिला न्योता, 9 जून को शपथग्रहण

नई दिल्ली, एजेसी। नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्हें आज एनडीए संसदीय दल का नेता चुना गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मोदी को सरकार बनाने का न्योता भी दिया है। इससे पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की और केंद्र में सरकार बनाने का दावा पेश किया था। एनडीए ने नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू, चिराग पासवान, जयंत चौधरी, अनुप्रिया पटेल सहित अपने सहयोगियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसके दौरान उन्होंने अपने गठ बंधन के नेता के रूप में पीएम मोदी के नाम को मंजूरी दी। पीएम मोदी 9 जून को शाम करीब 6 बजे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं। रविवार को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए दुनिया के कई नेताओं को आमंत्रित किया जा रहा है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि एनडीए ने हमेशा देश को भ्रष्टाचार मुक्त, सुधारोन्मुख स्थिर सरकार दी है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए ने अपना नाम बदल लिया लेकिन वे अपने भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। बदलने के बाद भी उनके नाम, देश ने उन्हें माफ नहीं किया है, देश ने उन्हें खारिज कर दिया है। मैं कह सकता हूं कि सिर्फ एक व्यक्ति का विरोध करने के उनके एक सूत्रीय एजेंडे के कारण, देश की जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मैं विश्वास दिलाता हूं कि मैं आपकी आशाओं और इच्छाओं को पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ूंगा.. .मेरे लिए यह जन्म सिर्फ और सिर्फ, वन लाइफ वन मिशन है और वो है मेरी भारत माता। यह मिशन है 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को पूरा करने के लिए खप जाना है। एनडीए का नेता चुने जाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया है। उन्होंने अपने एक्स पोस्ट में लिखा कि मेरे जीवन का हर पल डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा दिए गए भारत के संविधान के महान मूल्यों के प्रति समर्पित है।

नीट परीक्षा में धांधली हुई, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच हो - खरगे

नयी दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस ने शुक्रवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि इसकी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए ताकि प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को न्याय मिल सके। नीट का परिणाम गत चार जून को घोषित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया है।इसकी सीधी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेकों अनियमितताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फँसना– उनके भविष्य से खिलवाड़ है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एक उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए

जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र–छात्राओं को न्याय मिले। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने एक्स पर पोस्ट किया, पहले नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ और अब छात्रों का आरोप है कि इसके परिणाम में भी भ्रष्टाचार हुआ है। एक ही सेंटर के 6 छात्रों को 720 में से 720 अंक मिलने पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और कई तरह की अनियमितताओं की बातें सामने आ रही हैं। दूसरी ओर, परिणाम आने के बाद देश भर में कई बच्चों के आत्महत्या करने की खबरें हैं। यह बहुत दुखद और झकझोरने वाला है। उन्होंने सवाल किया कि सरकार लाखों छात्रों की आवाज को अनसुना क्यों कर रही है? प्रियंका गांधी ने कहा, छात्र–छात्राओं को नीट परीक्षा के परिणाम में धांधली से जुड़े वाजिब सवालों के जवाब चाहिए। क्या सरकार की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वो जांच कराकर इन वाजिब शिकायतों का निस्तारण करे? कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इस मामले की उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच की मांग की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में लाखों परीक्षार्थियों के साथ घोटाला पूरी तरह से अस्वीकार्य और अक्षम्य है।

बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष कवि हरीश शर्मा व टीम सदस्या, समाजसेविका उपासना सुरेका को किया स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित

देश की उपासना

लक्ष्मणगढ़/सीकर। बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान के संस्थापक, अध्यक्ष पत्रकार, कवि हरीश शर्मा एवं अभियान की सदस्या, समाजसेविका उपासना सुरेका को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह जानकारी देते हुए शक्ति फिल्म प्रोडक्शन की फाउंडर अंबालिका शास्त्री ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने एवं जन जागृति अभियान के माध्यम से समाज में एक नई मिशाल पेश करने के लिए लक्ष्मणगढ़ के कवि, पत्रकार हरीश शर्मा व अभियान की सदस्या एवं समाज सेविका उपासना सुरेका को राष्ट्रीय विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया है।

देश और विदेश के निवेशकों को डराने की कोशिश कर रहे हैं राहुल गांधी – पीयूष गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आरोप लगाया है कि लोकसभा चुनाव में मिली हार की हताशा में वो देश और विदेश के निवेशकों को भ्रमित कर डराने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा और हमारे नेताओं पर अनाप–शनाप आरोप लगाए हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि लोकसभा चुनाव में विपक्ष की हार की हताशा से राहुल गांधी अभी तक उबर नहीं पाए हैं। गोयल ने आरोप लगाया कि फिर एक बार नरेंद्र मोदी सरकार का बनना तय है और इससे राहुल गांधी परेशान नजर आ रहे हैं। अब राहुल गांधी मार्केट के इंवेस्टर्स को भी गुमराह करने की साजिश रच रहे हैं। वो अपने बयानों के जरिए देश और विदेशों के निवेशकों को भ्रमित करने की कोशिश कर उन्हें निवेश के लिए हतोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि, सब जानते हैं कि शेयर बाजार में कई वजहों से बदलाव होते रहते हैं और दुनिया भर में यह इसी तरह चलता है। गोयल ने कहा कि आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पूरी दुनिया, भारत को सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में स्वीकार रहा है। पीएम मोदी ने देश को आश्वस्त किया है कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। मोदी सरकार के 10 साल के सफल कार्यकाल की वजह से शेयर बाजार ने कीर्तिमान और रिकॉर्ड बनाए हैं,

मार्केट से हमारे भारतीय निवेशकों ने भी लाभ लिया है। आज भारतीय शेयर बाजार दुनिया के टॉप देशों की लिस्ट में शामिल है। यही वजह है कि आज देश और दुनिया का विश्वास भारत, भारत की सरकार और पीएम मोदी के ऊपर है। दुनिया भर में भारतीय शेयर बाजार का मान–सम्मान है और सेबी ने भी कई कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के कार्यकाल में भारत का मार्केट कैप सिर्फ 67 लाख करोड़ का था, जो मोदी सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में तेजी से और कई गुना बढ़कर 415 लाख करोड़ पहुंच गया है। उन्होंने भारतीय निवेशकों के लाभ कमाने का जिक्र करते हुए दावा किया कि यूपीए सरकार की तुलना में मोदी सरकार के कार्यकाल में विदेशी निवेशकों की भागीदारी कम हुई है और भारतीय निवेशकों, खासकर खुदरा निवेशकों, की भागीदारी और आमदनी दोनों बढ़ी है। पिछले दो महीनों में विदेशी निवेशकों की तुलना में भारतीय निवेशकों ने ज्यादा लाभ कमाया है। एग्जिट पोल आने के बाद भी भारतीय निवेशकों ने महंगे दामों पर शेयर बेचकर लाभ लिया और जब चुनावी नतीजा आने के बाद बाजार गिरा तब भी भारतीय निवेशकों ने सस्ते दामों पर खरीदकर कमाई की और भारतीय निवेशकों का नुकसान नहीं हुआ। पिछले दिनों में जो भी नुकसान हुआ है, वो विदेशी निवेशकों का ही नुकसान हुआ है। एक सवाल के जवाब में पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि हमारी सरकार आ रही है और हमारा दावा सही भी साबित हुआ, भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। जहां तक दावे का सवाल है तो दावा तो राहुल गांधी ने भी किया था कि उनकी 295 से ज्यादा सीटें आने वाली है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं और उन्हें इस बात की चिंता करनी चाहिए कि मतगणना के दिन जब शुरू में उनके गठबंधन की सीटें ज्यादा नजर आ रही थी तो मार्केट गिरना शुरू हो गया था यानी बाजार को कांग्रेस पर भरोसा नहीं था। राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आज लोगों के सामने सबसे बड़ा प्रश्न ये खड़ा हो रहा है कि जो–जो वादे राहुल गांधी ने किए थे, उसका क्या हुआ? देश में कई जगहों पर हमारी बहनें–माताएं कांग्रेस के कार्यालय के बाहर खड़ी हैं। आज महिलाएं तेलंगाना, हिमाचल और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारों से पूछ रही हैं कि जो एक लाख रुपए प्रति महिला को देने का वादा किया गया था, वो क्यों नहीं पूरा कर रहे हैं। आज महिलाएं कांग्रेस की सरकारों से अपना हक और न्याय मांग रही हैं।

एनडीए के सभी दल साथ हैं, 5 सालों में हम बहुत अच्छा काम करेंगे

नई दिल्ली, एजेसी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि एनडीए बहुत मजबूत है और एनडीए में कोई फूट का विचार भी नहीं कर सकता है। आज सभी नेताओं ने मोदी जी को आश्वासन दिया है कि आप आगे बढ़ो, हम आपके साथ हैं। एनडीए के सभी दल उनके साथ हैं। सभी दलों ने विश्वास जताया है कि 5 सालों में हम बहुत अच्छा काम करेंगे। एक निजी चौनल से बात करते हुए रामदास अठावले ने कहा कि आरपीआई बाबा साहेब आंबेडकर की पार्टी है। मोदी जी ने आंबेजकर जी और संविधान को बचाने के लिए बहुत से काम किए हैं। इसलिए इस वक्त हमारी मांग है कि मैं लगातार 8 साल से राज्य मंत्री हूं। मेरी पार्टी देशभर में काम करती है। महाराष्ट्र में हमने बिना कोई सीट पर लड़े एनडीए को समर्थन दिया। इस वक्त मुझे कैबिनेट मंत्री का पद मिलना चाहिए। गौर करने वाली बात ये है कि अठावले की पार्टी के लोकसभा में कोई सांसद नहीं है और आरपीआई के एकमात्र राज्यसभा सांसद वह खुद ही हैं। केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए को सरकार बनाने के लिए जनता के जनादेश की पुष्टि की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनडीए गठबंधन के भीतर कोई भी सहयोगी अपनी वफादारी नहीं बदलेगा। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक के दौरान चर्चा पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार की उपलब्धियों पर केंद्रित रही। अठावले ने इस बात पर प्रकाश डाला।

नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सबके हैं, कभी आपके तो कभी हमारे - संजय राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना नेता संजय राउत ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ये दोनों ही नेता सभी के हैं। संजय राउत ने कहा, "नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू सबके हैं। आज आपके हैं, तो कल हमारे होंगे। मोदी सरकार जो भी फैसला लेना चाहती थी, उसका आम लोगों ने विरोध किया। पीएम मोदी कह रहे थे कि अगर इंडिया गठबंधन सत्ता में आई तो मुस्लिमों को आरक्षण देगी। मैं कहना चाहूंगा कि चंद्रबाबू नायडू तो मुस्लिमों को आरक्षण देने के पक्ष में हैं। ऐसे में आप क्या कहना चाहेंगे। अभी कई ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर चर्चा होना बाकी है। उन्होंने कहा, "मोदी सरकार के शासनकाल में ईडी की प्रतिष्ठा पर सवाल उठे हैं। ईडी और सीबीआई बीजेपी की एक्सटेंडेड ब्रांच

बन चुकी है। उन्होंने आगे कहा, "प्रफुल्ल भाई पटेल के साथ हमारी कोई व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं है, लेकिन न्याय की व्यवस्था तो सबके लिए होनी चाहिए। ईडी सबके लिए है, लेकिन अब यह जांच एजेंसी अपनी कार्यशैली की वजह से अपनी विश्वसनीयता पर खुद ही सवाल उठा रही है। संजय राउत ने नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को भी आड़े हाथों लिया। उन्होंने आगे कहा, "बीजेपी चुनाव से पहले यह नारा देती थी कि हम कांग्रेस मुक्त भारत करेंगे, लेकिन हमने इन्हें बहुमत मुक्त बीजेपी कर दिया। मैं तो आज भी कहता हूं और आगे भी कहता रहूंगा कि आखिर मोदी जी ने क्या किया? मोदी जी ने सिर्फ झूठ की राजनीति की है। उनकी राजनीति की नींव ही झूठ है।" इसके साथ ही संजय राउत ने अमित शाह पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "अमित शाह जी राजनीतिज्ञ नहीं हैं। उनका राजनीति से कोई सरोकार ही नहीं है। वो तो व्यापारी हैं। व्यापार करते हैं।

एनडीए के साथ पूरे 5 साल रहने का नीतीश ने दिलाया विश्वास

बिहार, एजेसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (यूनाइटेड) ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को अपना समर्थन देने की घोषणा कर दी है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में पहुंचकर जेडीयू के अध्यक्ष नीतीश कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश की बहुत सेवा की है और बाकी बचे हुए लक्ष्य आगामी 5 साल में पूरे कर लिए जाएंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि इस बार हारी हुई सीटों पर भी एनडीए अगले चुनाव में निश्चित रूप से जीत दर्ज करेगा। विपक्ष ने आज तक देश की सेवा नहीं की है।

संपादकीय

लोकसभा चुनाव परिणाम और भाजपा

4 जून को जैसे–जैसे ईवीएम खुल रही थीं और वोटों की गिनती हो रही थी, वैसे–वैसे भारतीय जनता पार्टी बहुमत के जादुई आंकड़े से पिछड़ती जा रही थी, तब एक विचार भाजपा कार्यकर्ताओं के मन में जरूर आ रहा था, काश! अयोध्या में भागवान राम के मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ठीक बाद फरवरी–मार्च में लोकसभा चुनाव करा लिए जाते तो पार्टी को राम मंदिर की लहर का भरपूर लाभ मिलता। वो बहुमत का आंकड़ा स्वयं अपने बल पर हासिल कर लेती। यह विचार अब इसलिए भी उठ रहा है, क्योंकि पिछले साल नवंबर–दिसंबर में सोशल मीडिया पर यह चर्चा बहुत तेजी से चली थी। दरअसल, उन चर्चाओं में कहा जा रहा था कि 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा भंग कर नए चुनावों की सिफारिश राष्ट्रपति से करने वाले हैं। इस चर्चा का शुरुआत में सरकार की ओर से कोई खंडन नहीं आया। हालांकि कई दिनों की चर्चा के बाद नरेंद्र मोदी सरकार के कुछ मंत्रियों ने जल्दी चुनाव के इस विचार को खारिज किया। तब यही कहा गया था कि मोदी 2.0 सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी और समय पर चुनाव होंगे।

वैसे आज की परिस्थितियों को देखकर लगता है कि भाजपा ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के तुरंत बाद लोकसभा चुनाव नहीं कराकर बड़ी राजनीतिक भूल की है, क्योंकि उस समय देश में राम मंदिर को लेकर एक लहर दौड़ रही थी। हर घर पर भगवा लहरा रहा था। लोग दीपावली मना रहे थे। फिर दिसंबर में भाजपा तीन बड़े राज्यों राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में बहुमत के साथ सरकार में लौटी थी। तीनों राज्यों में भाजपा को अच्छा समर्थन मिला था। हालांकि, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में तो भाजपा ने उस समर्थन को सीटों में तब्दील कर लिया है, लेकिन राजस्थान में पार्टी हैट्रिक लगाने से चूक गई। दरअसल, राज्य में 25 में से 11 सीटें पार्टी हार गई है। फरवरी में चुनाव कराने का सबसे अधिक लाभ राजस्थान में मिल सकता था, क्योंकि राम मंदिर के लिए सर्वाधिक चंदा यदि किसी राज्य से आया तो वो राजस्थान है। राम मंदिर की लहर में जाति की राजनीति भी पीछे छूट जाती। उस दौरान इंडी गठबंधन केवल बैठकों में जुटा था। गठबंधन में किसी एक मुद्दे पर सहमति नहीं बन पा रही थी। नरेंद्र मोदी का समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने का फैसला इंडी गठबंधन को हैरान कर देता। इंडी गठबंधन को चुनावी तैयारी का खास मौका नहीं मिल पाता। उसका विश्वास डगमगा जाता। दूसरा, कांग्रेस ने राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण पत्र ठुकरा दिया था। समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव समेत कई अन्य दलों ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह में न जाने का निर्णय लिया था। उस समय इन पार्टियों की छवि हिंदू विरोधी होने का प्रचार भाजपा कर रही थी।

मुद्दे और भाजपा के लिए चुनाव

दरअसल, राम मंदिर भाजपा के उन तीन प्रमख मुद्दों में शामिल रहा है, जिन्हें लेकर पार्टी अपने गठन के साथ संकल्प पत्र में शामिल करती आ रही है। जम्मू– कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का वादा पूरा होने के बाद राम मंदिर पर पार्टी ने पूरा दांव लगाया था। जनता भी इस बात से खुश थी कि 500 साल की लड़ाई के बाद अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। अयोध्या में विकास की कई योजनाएं सरकार चला भी रही है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार धार्मिक पर्यटन पर बहुत जोर दे रही है। यदि फरवरी–मार्च में चुनाव हो जाते हैं तो इसका सकारात्मक प्रभाव वोटरों पर पड़ता। उस समय अयोध्या के साथ मथुरा और काशी की बात तेजी से उठ रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि पहुंचे थे। वो पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने जन्मभूमि जाकर भगवान के दर्शन किए। यही वो समय था, जब काशी में ज्ञानव्यापी को लेकर भी कोर्ट में केस गर्माया हुआ था। तीनों मंदिरों को लेकर एक ज्वार देश में आया हुआ था। फरवरी–मार्च में लोकसभा चुनाव का लाभ सर्वाधिक उत्तर प्रदेश में मिलता, जहां अभी भाजपा की पिछले तीन चुनावों में सबसे बुरी तरह हार हुई है। वो 33 सीटों पर सिमट कर रह गई है। यदि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के ठीक बाद चुनाव और अब चुनाव का आकलन करें तो स्पष्ट हो जाता है कि तब भाजपा वर्ष 2014 वाला करिश्मा दोहरा सकती थी, लेकिन जैसे–जैसे समय बीतता गया, लोगों के जहन से राम मंदिर का मुद्दा ओझल होता चला गया। इंडी गठबंधन को न केवल तैयारियों के लिए अतिरिक्त समय मिला, बल्कि आरक्षण, संविधान जैसे मुद्दों पर उसने वोटरों का रुख अपनी ओर भी कर लिया। हालांकि, समय से पूर्व लोकसभा चुनाव न कराने के पीछे नरेंद्र मोदी के आगे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का उदाहरण भी रहा होगा। वर्ष 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने दिसंबर 2003 में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनावों में जीत से उत्साहित होकर समय से पूर्व लोकसभा चुनाव कराने का जोखिम लिया था। तब पार्टी को शाइनिंग इंडिया कैंपन पर बहुत अधिक भरोसा था। आज की तरह उस समय भी भाजपा अति आत्मविश्वास से लबरेज थी। तब अटल बिहारी वाजपेयी वर्ष 1999 के चुनाव वाला करिश्मा नहीं दोहरा पाए थे और पार्टी सत्ता से बाहर हो गई थी। फिर अगले एक दशक तक भाजपा सत्ता में लौट नहीं सकी। वर्ष 2004 में तत्कालीन उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने को पार्टी हित में बताया था।

मरुस्थलीकरण सबसे घातक खतरों में से एक

आदित्य

भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थली करण, और सूखा प्रतिरोधकता। इस महत्वपूर्ण और चुनौती भरे विषय पर केंद्रित इस वर्ष का विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।घ्इसी वर्ष संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन टू कॉम्बेट डेजर्टीफिकेशन (यूएनसीसीडी) की पार्टियों का 16वां सम्मेलन रियाद में 2 से 13 दिसंबर तक होना है। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि में विश्व को भूमि की सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन के सामने मरुस्थलीकरण और सूखे से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए कार्यवाही की तत्काल आवश्यकता को पहचानने का आह्वान किया गया है।मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा पारिस्थितिकी तंत्र, जैव विविधता व आजीविका के लिए गंभीर खतरा पैदा करते हैं, जिससे पारिस्थितिक रूप से सुदृढ़ भूमि प्रबंधन प्रथाओं को अपनाना अनिवार्य हो जाता है। प्रत्येक बीते वर्ष के साथ, इन चुनौतियों से निपटने की तात्कालिकता और अधिक स्पष्ट हो जाती है, जिससे हमें उनके प्रभाव को कम करने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व की अनुभूति होती है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा घोषित जितने भी अंतरराष्ट्रीय दिवस हैं, उनमें पर्यावरण दिवस ऐसा है, जिसे उत्साह और चिंतन के साथ मनाया जाता है। हमारे ग्रह के भूमि संसाधनों के लिए मरुस्थलीकरण सबसे घातक खतरों में से एक है, जो चुपचाप पारिस्थितिक तंत्र, जैव विविधता और आजीविका पर अतिक्रमण कर रहा है। मरुस्थलीकरण वास्तव में भूमि पर रेंगती मौत है। एक बार यह जिस भूखंड पर रेंग जाता है, वह भूमि का मृत हिस्सा बनकर रह जाता है, वहां की मिट्टी सांस नहीं ले सकती, वहां कोई पौधा नहीं पनप सकता, वहां जीवन की खाद्य शृंखला टूट जाती है। मरुस्थलीकरण कोई यकायक घटी प्रलयंकारी घटना नहीं, वरन भूमि क्षरण की क्रमिक प्रक्रिया है, जिसमें वनस्पति की हानि,

मिट्टी का क्षरण और जल संसाधनों की कमी सम्मिलित है। यह शुष्क, अर्ध शुष्क और शुष्क उप–आर्द्र क्षेत्रों में होता है, जहां जलवायु परिवर्तन और अस्थिर भूमि प्रबंधन प्रथाएं और शहरीकरण भूमि के क्षरण में योगदान करते हैं, जिससे मरुस्थलीकरण का प्रसार बढ़ता है। मरुस्थलीकरण प्राकृतिक और मानवीयघ्दोनों प्रणालियों को प्रभावित करते हैं। इससे पारिस्थितिक तंत्रों में जैव विविधता की हानि, मिट्टी की उर्वरता में कमी तथा सूखे और वनों की आग जैसी प्राकृतिक आपदाओं की एक अटूट शृंखला शुरू हो जाती है। दुनिया भर के कई क्षेत्रों में मरुस्थलीकरण एक कठोर वास्तविकता बन गया है, जिससे लाखों लोगों की आजीविका को खतरा है और सतत विकास के प्रयास कमजोर हो रहे हैं। विशेष रूप से अफ्रीका में विशाल भूमि मरुस्थलीकरण की निरंतर प्रगति का शिकार हो रही है। कार्यवाही के लिए आशा और अवसर उपलब्ध हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इस गंभीर चुनौती से निपटने के लिए एकजुट होकर काम करने का प्रयास किया है। 1994 में अपनाया गया यूएनसीसीडीघ्इस दिशा में एक ऐतिहासिक समझौता है, जिसका उद्देश्य स्थायी भूमि प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से मरुस्थलीकरण का मुकाबला करना और सूखे के प्रभावों को कम करना है। पुनर्वनीकरण और वनीकरण की पहल मरू भूमि को बहाल करने और मरुस्थलीकरण को कम करने, वन्यजीवों के लिए आवश्यक आवास प्रदान करने और कार्बन पृथक्करण लाभ प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कृषि वानिकी, संरक्षण कृषि और एकीकृत जल प्रबंधन जैसी टिकाऊ कृषि प्रथाएं मिट्टी की उर्वरता में सुधार लाने, सूखे के प्रति लचीलापन बढ़ाने और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने में योगदान करती हैं। स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाना/प्रभावी मरुस्थली करण शमन रणनीतियों का आवश्यक घटक है। निर्णय लेने की प्रक्रियाओं और क्षमता निर्माण गतिविधियों में स्वदेशी समुदायों व छोटे किसानों सहित स्थानीय हितधारकों को सम्मिलित करके, हम विशिष्ट समाधानों को लागू करने के लिए पारंपरिक ज्ञान और विशेषज्ञता का उपयोग कर सकते हैं, जो मरुस्थलीकरण के मूल कारण का निराकरण करते हैं। मरुस्थली करण के विरुद्ध लड़ाई ऐसी नहीं है, जिसे रातोंरात जीता जा सके, बल्कि ठोस प्रयास, दृढ़ संकल्प और नवीनता के साथ हम धरा पर रेंगती मौत को मात दे सकते हैं।

राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग

विनोद

लोकसभा चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों–भगवानों–संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना असंभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर–बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है। पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनजम की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार–बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता–अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा–व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है। लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी–जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है।

सांख्यिकी मंत्रालय का कार्यभार

ललित

वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सौरभ गर्ग को सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि श्री गर्ग 31 जुलाई को अपनी सेवानिवृत्ति के बाद एक वर्ष तक इस पद पर बने रहेंगे। वे राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग के सचिव की भूमिका भी संभालेंगे। मजे की बात यह है कि पर्यवेक्षकों ने बताया है कि श्री गर्ग की नई नियुक्ति पी.के. त्रिपाठी की सेवानिवृत्ति तक और उसके बाद दो साल के अनुबंध पर भारत के लोकपाल के सचिव के रूप में इसी तरह की नियुक्ति के बाद हुई है। क्या यह कोई नया चलन है? एक कुशल अर्थशास्त्री, श्री गर्ग की शैक्षणिक साख प्रभावशाली है, उन्होंने जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय के अलावा आईआईएम अहमदाबाद और आईआईटी दिल्ली से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की है। ओडिशा कैडर के अधिकारी नीति और कार्यक्रम कार्यान्वयन में अपने योगदान के लिए जाने जाते हैं, विशेष रूप से ओडिशा में कालिया योजना की अवधारणा में उनकी भूमिका के लिए। यह पहल छोटे किसानों और बटाईदारों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करती है और विशेष रूप से राष्ट्रीय पीएम किसान योजना के लिए एक मॉडल के रूप में काम करती है। सबसे खास बात यह है कि श्री गर्ग भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष स्थानांतरण योजना के पीछे एक प्रमुख शक्ति थे। इस कदम ने दिल्ली के बाबू गलियारों में कुछ हलचल पैदा कर दी है, और जबकि तत्काल मकसद स्पष्ट नहीं है, समय ही बताएगा कि यह बदलाव कैसे सामने आता है। लेकिन एक बात स्पष्ट हैरू सेवानिवृत्ति के बाद श्री गर्ग की सेवा जारी रहना उनके मूल्यवान अनुभव और नेतृत्व में निरंतरता की इच्छा को मान्यता देता है। भविष्य को ध्यान में रखते हुए प्रमुख बाबू फेरबदल एक व्यस्त, व्यस्त चुनाव के बीच में, एक बड़े बदलाव में, केंद्र सरकार ने संयुक्त सचिव स्तर पर महत्वपूर्ण नियुक्तियों की घोषणा की, जो नेतृत्व में एक रणनीतिक बदलाव का संकेत है। इस नौकरशाही में बदलाव में 1995 से 1999 बैच के 26 आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त सचिव के रूप में शामिल करना शामिल था। उल्लेखनीय नियुक्तियों में अजय भादू वर्तमान में भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) में कार्यरत हैं, वी. शेषाद्रि, जो पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में थे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) का नेतृत्व कर रहे हैं और सैयद अली मुर्तजा रिजवी तेलंगाना के ऊर्जा विभाग का नेतृत्व कर रहे हैं। नियुक्तियों की इस अचानक लहर ने वर्तमान नई दिल्ली प्रतिष्ठान की निरंतरता और स्थिरता के बारे में अटकलों को जन्म दिया है। लेकिन यह आने वाले दिनों में होने वाले अधिक व्यापक बदलावों का संकेत मात्र हो सकता है। सूत्रों ने डीकेबी को सूचित किया है कि सरकार जल्द ही नियुक्तियों की एक और सूची जारी कर सकती है, जबकि अटकलें लगाई जा रही हैं कि मोदी सरकार में कुछ प्रमुख व्यक्ति अपने पदों पर बने रह सकते हैं। जब तक आप यह पढ़ रहे होंगे, तब तक नई सरकार की घोषणा हो चुकी होगी, लेकिन इन कार्रवाइयों से मोदी सरकार के सत्ता में लौटने के आत्मविश्वास का पता चलता है। इसलिए, व्यस्त चुनावी अवधि के बावजूद, इसने सुनिश्चित किया है कि प्रशासन के कुछ प्रमुख पहलुओं की अनदेखी न की जाए। चुनावी वर्ष में छापेमारी का अजीब मामला आम चुनावों से पहले, एक दर्जन आईएएस और आईपीएस अधिकारी भ्रष्टाचार से जुड़े विभिन्न मामलों में शक्तिशाली प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और अन्य जांच एजेंसियों की जांच के घेरे में आ गए हैं।

बांग्लादेशियों की नई पीढ़ी में अमेरिका जाने की इच्छा प्रबल

तस्लीमा

कुछ दिनों पहले न्यूयॉर्क में सुचित्रा सेन चलचित्र उत्सव का आयोजन हुआ। इसका आयोजन न्यूयॉर्क में रह रहे अनिवासी बांग्लादेशियों ने किया था। इससे कुछ ही दिनों पहले न्यूयॉर्क में बांग्ला पुस्तक मेला और साहित्य अनुष्ठान आयोजित हुए थे। इनके आयोजक भी अनिवासी बांग्लादेशी थे। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका में रहने वाले सभी बंगाली शायद प्रगतिशील हैं, सभी शायद साहित्य या संस्कृति प्रेमी हैं। क्या सच में ऐसा है? बेशक ढाका और न्यूयॉर्क में बहुत अंतर है। अमेरिका और बांग्लादेश में जो अंतर है, ढाका और न्यूयॉर्क में वही अंतर है। अमेरिका चूंकि बांग्लादेश की तुलना में अत्यधिक विकसित और सभ्य देश है, इस कारण बड़ी संख्या में बांग्लादेशी अमेरिका की स्थायी नागरिकता पाने के लिए अमेरिका जाते हैं। कट्टर मुस्लिम भी, जो हमेशा धर्म के नशे में चूर रहते हैं, ईसाइयों–यहूदियों से घृणा करते हैं, उन्हें गाली देते हैं, मौका मिलने पर वे भी अमेरिका जाने का जुगाड़ बिठाते हैं। वे अगर चाहें, तो आराम से अरब देशों में बस सकते हैं, पर वे ऐसा नहीं करते। बांग्लादेशियों को भी अमेरिका बहुत आकर्षित करता है। अमेरिका की नागरिकता मिलने पर उनका जीवन धन्य हो जाए। स्थायी निवास के लिए उन्हें ईसाइयों, यहूदियों और नास्तिकों का देश अमेरिका ही पसंद है। बहुत लोग तो जोखिम उठाकर भी पश्चिमी देशों में प्रवेश करने की कोशिश करते हैं। रात के अंधेरे में नाव से भूमध्यसागर पार कर यूरोप पहुंचते हैं। नाव के डूब जाने से बहुतों की जान भी जाती है। इसके बावजूद नाव से समुद्र पार करने की जोखिम भरी कोशिशों पर विराम नहीं लगता। अरब देश में हज करने जाने, अरब देशों की पोशाक पहनने, अरब देशों की भाषा और आचार–व्यवहार का अनुसरण करने और अरब लोगों को महामानव समझने के बावजूद बांग्लादेश के लोग अरब देशों में बसने की उत्सुकता नहीं दिखाते। इसके बजाय अरब देशों में श्रमिक का काम करने गए लोग जितनी जल्दी संभव हो सके, घर लौट आने के बारे में सोचते हैं। और अरब देशों में लोगों के घरों में काम करने वाली बांग्लादेशी महिलाएं अपनी जान बचाने के लिए घर लौट आती हैं, या फिर लाश बनकर लौटती हैं। अमेरिका बांग्लादेशियों को आकर्षित करता है, तो उसकी वजह है। अमेरिका में नौकरी करने, व्यापार करने, स्वतंत्रता से चलने–फिरने, अपने धर्म का पालन करने, बच्चों को स्कूलों में मुफ्त में पढ़ाने की सुविधा है। वहां रुपये–पैसे न रहने पर फूड पैकेट मिलता है, मुफ्त में इलाज, दवा, आया आदि की सुविधा है। सर्वोपरि, अमेरिका में मानवाधिकार पर बहुत अधिक जोर दिया जाता है, जबकि बांग्लादेश में मानवाधिकार की किसी को परवाह ही नहीं है। इसके बावजूद अमेरिका में रहने वाले ये लोग अमेरिकी आदर्शों को थोड़ा भी नहीं मानते। अमेरिका इन्हें उदार नहीं बना पाता। अमेरिका में रहते हुए भी ये बांग्लादेशी बने रहते हैं। भोजन की खोज इन्हें हलाल मीट की दुकान पर ले जाती है। अमेरिका में आने के बावजूद ये बांग्लादेश का पहनावा नहीं छोड़ते। महिलाएं बुर्का और नकाब नहीं छोड़तीं। अमेरिका में रहते हुए भी ये धार्मिक कट्टरता को बरकरार रखते हैं। ये मानते हैं कि उनका धर्म दुनिया में सबसे श्रेष्ठ धर्म है। वहां रहकर भी ये लोग मानते हैं कि ट्विन टावर्स को ध्वस्त कर देने वाले आतंकवादियों ने बहुत बड़ा काम किया था। इनमें से कुछ तो यह सपना तक देखते हैं कि पश्चिम के तमाम देश मुस्लिमों से भर गए हैं और यह पृथ्वी सिर्फ मुस्लिमों के लिए है। बांग्लादेशियों की नई पीढ़ी में अमेरिका जाने की इच्छा प्रबल है। यही नहीं, ये लोग अपने देश से बाहर यह बताने में भी कतराते हैं कि उनके माता–पिता बांग्लादेशी हैं। दूसरी ओर, अपने घर में कट्टरवादियों द्वारा लगातार ब्रेनवॉश किए जाने के कारण कुछ लोग अपने धर्म को श्रेष्ठ समझने लगते हैं। इस तरह के भटके हुए लोग दूसरे देशों के मुस्लिमों को अपना समझने की गलती कर डालते हैं। हालांकि दूसरी तरफ यह भी सच है कि अमेरिका में पैदा हुई पीढ़ी के अनेक बच्चे बांग्ला में बातचीत करते हैं, बांग्ला गीत गाते हैं। हालांकि यह इस पर निर्भर करता है कि इन बच्चों के माता–पिता घर में बांग्ला संस्कृति को कितना प्रोत्साहित करते हैं। अनिवासी बांग्लादेशियों ने अमेरिका के विभिन्न शहरों में छोटे–छोटे बांग्लादेश बना लिए हैं। पश्चिम उनके जीवन–यापन और सोच–विचार में किसी प्रकार का बदलाव नहीं ला पाया है। अमेरिका में रह रहे बांग्लादेशी अब भी जात–पांत, अंधविश्वास और कठोर पुरुषतंत्री सोच में जकड़ा हुआ है। इनके अपने देश में नारी विरोध का जो इतिहास है, उसे ये बांग्लादेशी बंगाल की खाड़ी के किनारे से अटलांटिक और प्रशांत महासागर के किनारे तक ढोकर ले आए हैं। अनिवासी

नागरिक शायद ऐसे ही होते हैं। जिस मिट्टी से वे आते हैं, आजीवन उसी मिट्टी से जुड़े रहते हैं। विदेशी संस्कृति से वे वस्तुतः उतना ही ग्रहण करते हैं, जितना उनके रोजगार के लिए जरूरी होता है। लेकिन सोच–विचार की दरिद्रता से मुक्ति पाने के लिए जिस दर्शन की जरूरत होती है, उसे वे कभी जान–सीख–अपना नहीं सकते। वे आजीवन सिर्फ उसी पर चर्चा करते हैं, जो अपने देश से सीखकर आए होते हैं। मैं यह नहीं कह रही कि न्यूयॉर्क में बांग्ला साहित्य और संस्कृति के कर्णधारों ने सिर्फ मुझे ही प्रतिबंधित किया। हो सकता है।

जेड0आर0यू0सी0सी0सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार को दिया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

गोंडा। पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मंडल रेल प्रबंधक को सुझाव पत्र देकर रेल यात्रियों एवं रेल कर्मचारी की समस्याओं के परिपेक्ष में अवगत कराया।

जेड0आर0यू0सी0सी0 सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मंडल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार से मिलकर देवीपाटन मंडल वासियों के लिए बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी एवं तीर्थ स्थल प्रयागराज आवागमन के लिए रेलवे सुविधा संचालित किए जाने, गोरखपुर से नई दिल्ली वाया गोंडा तथा नई दिल्ली से गोरखपुर वाया गोंडा तक राजधानी एवं वंदे भारत का संचालन शुरू किए जाने, रेलवे चिकित्सालय में दवाई तथा चिकित्सकों की कमी दूर किए जाने, 15070/15069 इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव इटिया थोक एवं बुढ़वल किए जाने, जर्जर अवस्था में लगभग सभी रेलवे कालोनियां हो गई हैं, जिसका निर्माण कराए जाने गोंडा से लखनऊ एवं लखनऊ से गोंडा तक मेमो सवारी गाड़ी का संचालन अविलंब शुरू किए जाने, रेलवे की खाली पड़ी जमीनों पर व्यावसायिक दुकान बनाए जाने, गोंडा जंक्शन संयुक्त रेलवे कार्यालय पर अपर मंडल रेल प्रबंधक का पद पुन स्थापित किया जाए गोंडा कचहरी रेलवे स्टेशन का नाम शहीद राजेंद्र नाथ लाहड़ी के नाम किए जाने, गोंडा जंक्शन प्लेटफार्म 4/5 पर एक रेल यात्री टिकट सेवा केंद्र स्थापित किए जाने, समेत कई प्रमुख समस्याओं के निराकरण पर वार्ता किया जिस पर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव को आश्वस्त किया गया। इस अवसर पर उमेश श्रीवास्तव, महेंद्र कुमार दानिश तथा संतोष कुमार, मौजूद रहे।

प्रोन्नत पाये पुलिस अधिकारियों की पिपिंग सेरेमनी का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा आज दिनांक – 08.06.2024 को पुलिस मुख्यालय में प्रोन्नत पाये अपर पुलिस अधीक्षकों की पिपिंग सेरेमनी में श्री पूर्णेन्दु सिंह अपर पुलिस अधीक्षक/पुलिस महानिदेशक उ०प्र० के स्टाफ आफीसर, श्रीमती शुभ्रा भाष्कर, अपर पुलिस अधीक्षक, उ०प्र० पुलिस मुख्यालय, लखनऊ को रैंक लगाया गया। पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० द्वारा प्रोन्नत पाये समस्त 53 अपर पुलिस अधीक्षकों को शुभकामनाएं देते हुये उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर पुलिस अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिदेशक के जीएसओ सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थिरत रहे।

नौ जून रविवार को दोपहर 12 बजे चांसलर क्लब आशियाना में बिजनेस वूमेन आयोजित करेंगी कुकिंग प्रतियोगिता

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ व्यापार मंडल की इकाई महिला विंग अध्यक्ष एवं कुकिंग प्रतियोगिता की आयोजक निहारिका सिंह ने बताया कि 'वेन्यू चौन्सेलर' 'क्लब आशियाना लखनऊ में' 'दिनांक 9 जून 2024' 'दिन रविवार को 'प्रातः 12 बजे'' कुकिंग प्रतियोगिता करायी जा रही जिसमें पूरे लखनऊ से महिलायें इस आयोजन में प्रतिभाग लेंगी इस प्रतियोगिता में अलग अलग प्रदेशों के व्यंजन जैसे पंजाबी,गुजराती सिंधी, साउथ इंडियन पहाड़ी वेज व्यंजन बनाया जाएगा। जिसके जज के रूप में शेफ अलका सिंह तोमर, शेफ आशुतोष सिंह बने व्यंजनों को चखने के बाद प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय तृतीय विजेता घोषित करेंगे। घोषित प्रतिभागियों को नगद पुरुष्कर के साथ ट्राफी एवं प्रमाण पत्र दिया जाएगा। मुख्य अतिथि के रूप में डा हेमाविंदू नायक महा सचिव इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश, शाइस्ता अम्बर जी विशिष्ट अथिति, डा ममता मिश्रा डाइरेक्टर सेवा निवृत्ति इंटैक के साथ शहर के तमाम गणमान्य उपस्थित रहेंगे।

तीन दिवसीय प्रदर्शनी का नौ जून आखिरी दिन है, रविवार होने के कारण उपभोक्ताओं की होगी भारी भीड़

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में किचन वेयर होटल वेयर होम अप्लायंसेस एक्सपो 2024 के प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें पूरे भारत से सैकड़ो किचन प्रोडक्ट्स निर्माताओं ने अपना – अपना स्टॉल लगाया। जिसमे उत्तर प्रदेश के साथ–साथ पूरे देश से हजारों व्यापारी उपस्थित रहे। तीन दिवसीय इस प्रदर्शनी का कल 9 जून आखिरी दिन है। उत्तर प्रदेश के लगभग 15 बर्तन बाजार संस्थाओं के सहयोग से इसका आयोजन किया गया। भारत सरकार के द्वारा एमएसएमई के तहत भी इस प्रदर्शनी को सहयोग मिला प्रदर्शनी का आयोजक किचन कलर न्यूज के द्वारा किया गया जिसमें घर और होटल में उपयोग होने वाले लाखों प्रकार के बर्तनों की विशाल प्रदर्शनी लगाई गई है। श्री वल्लभ मेटल का वर्धा इंटरनेशनल हमारे दो कंपनियां है। मुंबई की कंपनी है और नाम है मैक्स फ्रेश। मैक्स फ्रेश के अंदर स्टील के तरह–तरह के बर्तन आते हैं जैसे केटली जो की पानी गर्म रखती है कढ़ाई खाना गर्म रखने केलिए, स्टील की बोतल आता है पानी को गर्म या ठंडा रखने के लिए 24 घंटे के लिए, हम लखनऊ आए हैं पहली बार हम चाहते हैं कि लखनऊ के घर–घर में हमारा सामान पहुंचे हम यहां डिस्ट्रीब्यूटर और डीलर ढूंढ रहे हैं।

सनातन धर्म के समर्पित संत के साथ कर्मठ मुख्यमंत्री हैं योगी जी - विजय मिश्र

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

गोण्डा। विश्व हिंदू महासंघ के तत्वावधान में शनिवार को उतरौला रोड के मुजहा बाबा आश्रम में स्थित जिला कार्यालय में गोरक्ष पीठाधीश्वर एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाराज का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया। विश्व हिंदू महासंघ प्रदेश भर में अपने पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पूज्य योगी आदित्यनाथ का जन्मोत्सव पखवारा आयोजित कर समाज में समरसता का संदेश दे रहा है। जन्मोत्सव कार्यक्रम में महासंघ के जिलाध्यक्ष विजय कुमार मिश्र ने योगी जी के व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए अपने सम्बोधन में कहा कि योगी जी सनातन धर्म के समर्पित संत धर्माचार्य व प्रदेश के कर्मठ निष्ठावान मुख्यमंत्री हैं। कार्यक्रम में योगी जी के चित्र पर रोली चन्दन लगाकर आरती उतारी गयी और उपस्थित कार्यकर्ताओं सहित उपस्थित लोगों को अंगवस्त्र भेंट कर सामाजिक समरसता का संकल्प दिलाया गया।

कार्यकर्ताओं जन्मोत्सव पखवारे में लड्डू बांटा और गोसेवा कर खुशिया मनाई। जिला उपाध्यक्ष अखिलेश संत ने कहा विश्व हिंदू महासंघ समाज में समरसता बढाने के लिए अभियान चलाएगा। मंत्री अजय ने कहा युवा समाज को योगी जी के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपाध्यक्ष कुंवर सिंह ने कहा महासंघ का निर्माण गोरक्षपीठ ने समाज में जाति–पाति की बुराई को समाप्त करने के लिए किया गया है। इस अवसर पर अमित कुमार, रंजीत ,अभिषेक, सत्येंद्र दुबे, अर्पित कुमार, गगन सिंह, डॉक्टर विजय प्रकाश, डॉक्टर वर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे ।

09 एवं 10 जून को शहीदों के सरताज साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का मनाया जाएगा 418 वाँ पावन शहीदी दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के सम्पादक, बाणी के बोहिथ, शहीदों के सरताज सिखों के पांचवें गुरू साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का 418वाँ पावन शहीदी दिवस दिनांक 09 एवं 10 जून 2024 को बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिण्डोला में मनाया जायेगा ।

यह जानकारी ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिण्डोला के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा जी ने देते हुए बताया कि 09 एवं 10 जून 2024 को सिखों के पांचवें गुरू साहिब श्री गुरू अरजन देव जी महाराज का शहीदी दिवस के अवसर पर सायं का दीवान 6:30 बजे से आरंभ होगा जो रात्रि 10:00 बजे तक चलेगा 10 जून को प्रातः 5:00 से दोपहर 3:00 तक दीवान सजेगा।

स्टेज सेक्रेटरी स0 सतपाल सिंह मीत ने बताया कि इस अवसर पर पंथ प्रसिद्ध प्रचारक सिंह साहिब ज्ञानी मान सिंह जी पूर्व प्रचारक श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर विशेष रूप से पधार रहे हैं जो श्री गुरु अरजन देव जी महाराज के शहीदी दिवस पर कथा व्याख्यान करेंगे।

रागी जत्था भाई प्रिंसपाल सिंह जी पटियाला वाले श्री गुरु अरजन जी द्वारा रचित गुरबाणी का गायन कर समूह संगत को निहाल करेंगे।

संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कल सोमवार को जिले के तीन परीक्षा केंद्रों पर कराई जाएगी – मंगला प्रसाद सिंह

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा कल सोमवार को जिले के तीन परीक्षा केंद्रों पर कराई जाएगी। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने बताया कि परीक्षा कराने की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। शांतिपूर्ण नकल विहीन व निष्पक्ष परीक्षा कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह संकल्प है। जिले के आरआर इंटर कॉलेज सीएसएन महाविद्यालय, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीएड की प्रवेश परीक्षा कराई जाएगी। जिले में 1549 परीक्षार्थी परीक्षा में भाग लेंगे। परीक्षा के नोडल ऑफिसरधसिटी मजिस्ट्रेट सुनील त्रिवेदी ने बताया कि नकल विहीन व शान्ति पूर्ण परीक्षा कराने की सभी तैयारियां कर ली गई हैं। किसी भी परीक्षार्थी को बिना तलाशी के अंदर नहीं जाने दिया जाएगा। परीक्षा की सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगी। सभी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस प्रतिबंधित होगी।जिला विद्यालय निरीक्षक बाल मुकुंद प्रसाद ने बताया कि शासन की मंशा अनुरूप नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। छात्र–छात्राओं को तलाशी के बाद ही परीक्षा केंद्रों में प्रवेश दिया जाएगा। किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की कोई अनुमति नहीं होगी। आरआर इंटर कॉलेज

के प्रधानाचार्य के पी सिंह ने बताया कि सीटिंग अरेंजमेंट आदि की सारी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। शिक्षकों के साथ बैठक कर ली गई है सारी व्यवस्थाएं पूर्ण है।सुचितापूर्ण परीक्षा कराने की तैयारी निर्धारित की गई है। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसके लिए सारी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। भीषण गर्मी के चलते पेयजल व पंखों की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने मेडिकल टीम को भी अलर्ट कर दिया है, ताकि किसी परीक्षार्थी को अचानक चिकित्सा की सहायता की जरूरत हो तो तुरंत उपलब्ध कराई जा सके। परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में कोई असुविधा हो इसके लिए यातायात की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाएगी। यातायात पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि कहीं पर जाम लगने की समस्या न हो जिससे की परीक्षार्थी निर्बाध रूप से अपने परीक्षा केंद्रों पर समय से पहुंच सकें।

इंस्टाग्राम पोस्ट पर योगी आदित्यनाथ को लेकर अभद्र टिप्पणी करने पर भिड़े दो पक्ष

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र स्थित छिड़वा भादी गांव में शुक्रवार देर रात उस समय अफरा तफरी मच गई जब एक इंस्टाग्राम पोस्ट को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। एक पक्ष का कहना है कि

सीएम योगी आदित्यनाथ से संबंधित पोस्ट पर दूसरे समुदाय के लड़के ने भद्दा कमेंट किया और गाली दी। मना करने पर लाठी डंडे से मारपीट की गई।

वहीं दूसरे पक्ष ने इसे बच्चों की लड़ाई बताया। घटना में दोनों पक्षों से 12 लोग घायल हो गए। जिसमें चार महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से 6 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल पुलिस घटना की जांच कर रही है।

छिड़वा भादी गांव के एक युवक ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सीएम योगी आदित्यनाथ की फोटो पोस्ट की थी। आरोप है कि दूसरे पक्ष के युवक ने इस पर भद्दे कमेंट किए और पार्टी विशेष को गाली दी। जब पोस्ट करने वाले ने ऐतराज किया तो दूसरे पक्ष के युवक गोल बनाकर उसे मारने पहुंच गए। यहां युवक को लाठी–डंडे से मारा पीटा। बचाने आए लोगों को भी पीटा गया और पत्थर भी चले। स्थानीय लोग घायल युवकों को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि लाठी–डंडे से महिलाओं और बच्चों को भी मारा गया। पत्थर भी चलाए गए।

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर भी मौके पर पहुंचे । गंभीर रूप से घायल दोनों पक्षों के 6 लोगों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि चार लोगों को शांति भंग के तहत हिरासत में लिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है।

इस मामले में शनिवार को विपिन कनौजिया पुत्र पप्पू कनौजिया निवासी भादी शाहगंज ने प्रभारी निरीक्षक शाहगंज को दिए प्रार्थना पत्र में बताया है कि शुक्रवार रात वह खाना खाकर बाहर टहल रहा था कि इस समय शाहबाज पुत्र सागर और करीम पुत्र मोबीन निवासी भदी मेरे पास आए और भाजपा भाजपा और मोदी योगी क्या उखाड़ लेंगे कहते हुए मेरे ऊपर रॉड और लाठी डंडे से प्रहार किया है। जिससे मैं बेहोश हो गया मुझे बचाने आए अमन पुत्र विनोद कनौजिया को पहले से घात लगाकर बैठे मोविन पुत्र निब्बू जमीन व करीम पुत्र मोबीन सागर व शकील पुत्र बेकारू फारूक पुत्र मोहम्मद अफसर भांजा सागर लोहे की राड और लाठी डंडे से हमारे घर पर हमला कर दिया हम सभी लोग सोने जा रहे थे। हमले में विनोद पुत्र नंदलाल मंजू देवी पत्नी विनोद संतोष पुत्र भोला पवन पुत्र प्रहलाद को गंभीर चोटे आई हैं। जिन सभी का प्राथमिक उपचार शाहगंज में करने के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है जिनकी हालत का गंभीर बनी हुई है। वही सूरज पुत्र भोले के सिर में भी काफी चोट आई है। विपिन ने प्रार्थना पत्र में अपने परिवार और खानदान की जान माल की पुलिस से गुहार भी लगाई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार अजीत सिंह चौहान ने बताया कि शाहगंज अंतर्गत भारी गांव में प्रथम पक्ष के विपिन कन्नौजिया आदि युवा दूसरे पक्ष के शाहबाज इत्यादि के बीच सोशल मीडिया पर किए गए कमेंट के संबंध में वाद विवाद मारपीट हुई है जिस संबंध में दोनों पक्षों से कई लोग घायल है इस मामले में अभियोग पंजीकृत किया गया है व आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नवजात बच्चों की तस्करी,वीडियो में हिन्दू बच्चों को बेंचने वाला डाक्टर बेनकाब

हरदोई(अम्बरीश कुमार सक्सेना) कस्बा शाहाबाद में बिना संचालित अस्पताल में नवजात बच्चों की खरीद फरोख्त का मामला सामने आते ही हड़कम्प मच गया।नवजात बच्चे की खरीद फरोख्त का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही बाद बाल तस्करी की यह घटना सिस्टम पर सवाल खड़े करने लगी है।हैरानी वाली बात यह है कि नवजात की बिक्री करने वाला कथित चिकित्सक मुस्लिम समुदाय का है और उसने हिन्दू बच्चे को एक मुस्लिम दम्पति को बेंचकर अपना धर्म निभाने की बात वायरल वीडिओ में स्वीकार की है।तथाकथित डाक्टर की यह बातें वायरल वीडियो में सुनी जा सकती है। मामला शाहाबाद कस्बे के सिनेमा चौराहे का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो की पड़ताल से पता चल रहा है कि वीडिओ कुछ माह पुराना है जिसमें कस्बे के एक क्लीनिक के संचालक डा.तबरेज दिखाई दे रहे हैं। वायरल वीडियो में उन्होंने इस तरह की मानव तस्करी को कानूनन अपराध तो माना है पर हिन्दू नवजात को मुस्लिम दम्पति को बेंच देने से उन्हें इस अपराध का कोई मलाल नहीं है।यही नही वीडियो बनाने वाले व्यक्ति से तथाकथित डाक्टर यह भी कह रहा है कि उसके पास एक हिन्दू भाई आये थे और पैसे ज्यादा दे रहे थे लेकिन डाक्टर ने नवजात बच्चा मुस्लिम भाई को ही बेंचा।वीडिओ में डाक्टर की बात चीत से स्पष्ट हो रहा है कि बाल तस्करी का ये कृत्य वह लम्बे समय से कर रहा है। वीडियो में उसने यह भी कहा कि यदि उसकी बात लीक हुई या कोई शिकायत हुई तो वह उक्त बात नही मानेगा। कि उसने नवजात बच्चा बेंचा है,या उसके यहाँ कोई महिला प्रसव के लिये भर्ती हुई थी। ऐसा समाज विरोधी मामला सामने आने के बाद लग रहा है कि बाल तस्करी यहाँ पर हो रही है। नवजात शिशुओं को गलत तरीके से पैसे लेकर सौदा करने वाला तथाकथित डाक्टर पुलिस हिरासत में। पुलिस उक्त डाक्टर से पूछताछ करने में लगी है।वहीं सपा के छुटभैये नेता डाक्टर को रात से बचाने की कवायद में लगे हुये। फिलहाल मामला हाइलेवल तक पँहुच गया है। उक्त प्रकरण में जिले से भी एक टीम कस्बा शाहबाद भेजे जाने की सूचना मिल रही है।यहाँ गौरतलब है कि सिनेमा चौराहा शाहाबाद स्थित फैमिली हेल्थ केयर सेंटर सीज करने के लिए पुलिस और नोडल अधिकारी डॉ प्रवीण कुमार दीक्षित की टीम नर्सिंग होम के अंदर जब गई तो मीडियाकर्मियों को बाहर रोंक दिया गया और एक घंटे बाद जब बाहर निकली तो पीछे बाला गेट सीज करके सामने बाला गेट खुला छोड़ दिया गया, पत्रकारों के सवाल के जबाब में नोडल अधिकारी समेत पुलिस ने बताया कि इधर से उसके घर का रास्ता है। उधर हिंदू केसरिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष पवन रस्तोगी ने स्थानीय एवं जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर अवैधानिक कार्य करने वाले डॉक्टर एवं अनरजिस्टर्ड फैमिली हेल्थ केयर सेंटर पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई तो हिंदू केसरिया वाहिनी और विश्व हिंदू परिषद आदि संगठन आंदोलन के लिए मजबूर होंगे।

दिनदहाड़े आटो चालक की धारदार हथियार से हत्या फैली सनसनी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नेवढ़िया थाना क्षेत्र के सलारपुर घमहा गांव के पास शनिवार दोपहर अज्ञात बदमाशों ने एक व्यक्ति की धारदार हथियार प्रहार करके बेरहमी से कत्ल कर दिया। दिनदहाड़े हुए खून से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दिनदहाड़े हुई हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई है। थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार दोपहर उक्त गांव में सड़क के किनारे एक व्यक्ति की खून से लथपथ शव मिलने से सनसनी फैल गई, यह खबर सुनकर मौके पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई , सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया तो मृत व्यक्ति की पहचान मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के बारी गांव नेवादा गांव के निवासी ब्राह्मनंद प्रजापति 55 वर्ष के रूप में हुई है । शव के पास एक ऑटो रिक्शा भी मिला है जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि मृतक ऑटो चालक हो सकता है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कर अग्रिम विधि कार्रवाई में जुटी हुई है। मृतक वहां कैसे पहुंचा और उसकी हत्या किन परिस्थितियों में हुई पुलिस इसकी गहनता से छानबीन कर रही है।

दो युवकों द्वारा महिला को घसीट कर ईट पत्थर से पीटने का वीडियो वायरल

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र अंतर्गत लेवरुवा गांव में एक महिला को घसीटकर ईट पत्थर से मारने का विडियो शनिवार को सोसल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। विडियो में साफ देखा जा सकता किस तरह से दो युवक एक महिला को जमीन पर घसीट कर ईट पत्थर से ताबड़ तोड़ मार पीट रहे है महिला चीख चिल्ला कर अपनी जान की दुवाई मांग रही है बाबजूद इसके भी दोनो युवक बेरहमी से महीला पिटाई कर रहे है।महिला के पिटाई का विडियो देख हर कोई दंग है। हालांकि वायरल वीडियो 24 मई का बताया जा रहा है पीट रही महिला का नाम किरण देवी पत्नी गुड्डू जैसवार है।महिला को पीट रहे युवक का नाम पवन कुमार व संतोष कुमार पुत्र हरिलाल बताया जा रहा है जिसके संबंध में चंदवक थाने में तीन लोगो के खिलाफ 504,506,323 मुकदमा पंजीकृत कर दिया गया है। लेवरूवा निवासी पीड़ित महिला किरण देवी ने शुक्रवार को जनपद मुख्यालय पहुंच पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा को शिकायती पत्र सौप विपक्षी के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की गुहार लगाई। महिला ने शिकायती पत्र में लिखा कि गांव के ही मनबढ़ लोग आए दिन अनायास ही विवाद करते रहते है विगत 24 मई को अकेला पाकर भद्दी भद्दी गाली देते हुए जमीन पर गिराकर ईट पत्थर से पीटकर घायल कर धमकी दिए कि कोई शिकायत की तो पूरे परिवार को जान में मार देंगे।जिसको लेकर विपक्षियों के खिलाफ शिकायत की गई मगर पुलिस द्वारा कोई कठोर कार्यवाही न किए जाने के कारण आज भी लोग खुलेआम घूम रहे है।महिला ने शिकायती पत्र मे लिखा कि विपक्षी पूर्व में भी कई बार परिवार पर प्राणघाती हमला कर चुके है जिसको लेकर परिवार बहुत खबराया व डरा हुआ है अस्मीयता के साथ खिलवाड़ करने संबंधी विडियो को संज्ञान में लेते हुए उपरोक्त दबंग व मनबढ़ लोगो के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने की गुहार लगाई।

मेरठ में रैपिड के निर्माण के दौरान गार्डर गिरा

मेरठ, संवाददाता। मेरठ में रैपिडएक्स के निर्माण कार्य के दौरान फाउंडेशन पर रखा जा रहा गार्डर स्कूटी सवार सेल्समैन ऋतिक शर्मा (22) के ऊपर गिर गया। ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने उसे बिजली बंबा बाईपास स्थित अस्पताल में भिजवाया। उसकी गंभीर हालत के चलते मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो गई। दिल्ली रोड पर शताब्दीनगर आरआरटीएस स्टेशन का फाउंडेशन बनाया जा रहा है। इस कार्य को एनसीआरटीसी करा रही है। बृहस्पतिवार शाम करीब साढ़े चार बजे ट्रैक पर काम चल रहा था। कर्मचारी गर्डर रख रहे थे। वह नीचे गिर गया। इस दौरान शास्त्रीनगर में रहने वाला ऋतिक स्कूटी से गुजर रहा था। वह गार्डर के नीचे दब गया। उसके मोबाइल में मिले नंबरों के आधार पर पहचान ऋतिक शर्मा निवासी अमरोहा के रूप में हुई। बताया गया कि ऋतिक मेडिकल के गेसूपुर में अपने बहनोई विजय शर्मा के पास रहकर बिस्कुट कंपनी में सेल्समैन की नौकरी करता था। सूचना पर बहनोई विजय शर्मा मौके पर पहुंच गए। मोर्चरी पर परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि अभी तक परिजनों की तरफ से तहरीर नहीं मिली है। दिल्ली रोड पर बड़ी संख्या में वाहन निकलते हैं। जिस समय गार्डर गिरा उस समय कोई दूसरा वाहन भी होता तो वह भी चपेट में आ जाता। एनसीआरटीसी के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पुनीत वत्स ने बताया कि मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। मामले की उच्चस्तरीय जांच शुरू कर दी गई है।

घर में फंदा लगाकर छात्रा ने दी जान

बांदा, संवाददाता। बांदा जिले में पैलानी थाना क्षेत्र के खप्टिहा कलां गांव निवासी दीक्षा (17) उर्फ राधा पुत्री जगदेव वर्मा ने बीती शाम घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी होते ही परिजन उसे जिला चिकित्सालय ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार, मृतका दीक्षा उर्फ राधा तीन बहनों में सबसे छोटी थी। इसी वर्ष उसने परमहंस श्री रणछोड़ दास इंटर कॉलेज खप्टिहा कलां से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। साथ ही, नीट परीक्षा के लिए फॉर्म भी अप्लाई किया था। गुरुवार रात आठ बजे दीक्षा ने अपने घर के अंदर पक्के मकान में लगे छल्ले में रस्सी से फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि वो मोबाइल न देने की वजह से नाराज हो गई थी, लेकिन पुलिस को तहरीर में आत्महत्या करना बताया गया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रेम–प्रसंग में युवक और उसकी ममेरी बहन ने दी जान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के बिल्हौर में अरौल थाना क्षेत्र के एक गांव में एक युवक और उसकी ममेरी बहन ने एक साथ जहर खाकर जान दे दी। युवक की उम्र 18 साल है, जबकि लड़की की उम्र 16 वर्ष है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। खुदकुशी के पीछे की वजह प्रेम–प्रसंग बताई जा रही है। अरौल थानाध्यक्ष अखिलेश कुमार कुमार पाल ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव में हरदोई जिले से एक युवक ननिहाल आया था। यहां गुरुवार शाम करीब सात बजे उसने ममेरी बहन के साथ जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने दोनों को इलाज के लिए पहले एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सुधार न होने पर दोनों को सीएचसी बिल्हौर में भर्ती कराया गया। वहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। परिजनों से पूछताछ में युवक और किशोरी के प्रेम प्रसंग में खुदकुशी करने की बात सामने आई है।

जिले में होगा 16 तालाबों का निर्माण

शामली, संवाददाता। खेत तालाब योजना के तहत जिले में 16 तालाबों का निर्माण कराया जाएगा। जिसकी तैयारी कृषि विभाग के अधिकारियों ने कर ली है। किसान अपने खेतों में भी तालाब खुदवा सकेंगे। भूमि संरक्षण अधिकारी और जिला कृषि अधिकारी प्रदीप कुमार यादव ने बताया कि वर्षा जल संचयन हेतु खेत तालाब योजना में कुल 16 खेत तालाबों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें 15 खेत तालाब सामान्य जाति और एक खेत तालाब अनुसूचित जाति का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें अभी तक पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर सामान्य जाति के पांच खेत तालाबों की बुकिंग प्राप्त हुई है। अतः अवशेष सामान्य एवं अनुसूचित जाति के खेत तालाबों हेतु जो भी किसान योजना का लाभ लेना चाहते हैं वें राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत विभागीय पारदर्शी किसान सेवा योजना पोर्टल पर वित्तीय वर्ष 2024–25 खेत तालाब हेतु बुकिंग लिंक पर जाकर क्लिक कर बुकिंग कर सकते हैं।इसके अलावा कार्यालय में भी संपर्क कर सकते हैं।

पचास प्रतिशत मिलेगा अनुदान

कृषि अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत पात्र को पचास प्रतिशत यानी 52 हजार का अनुदान मिलेगा। साथ ही तालाब योजना की कुल लागत एक लाख 50 हजार रुपये भी दिए जाएंगे।

युवक ने पत्थर से कूंच कर दोस्त को मारा

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले में गुरुवार रात करीब दो बजे एक युवक ने पत्थर से कूंचकर दोस्त की हत्या कर दी। हत्या के बाद घटनास्थल पर नशे में युवक शोर मचाता रहा। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सदर कोतवाली क्षेत्र के रिफ्यूजी कॉलोनी निवासी रोहित सिंह चंदेल अपने दोस्त सिविल लाइन निवासी विजय शुक्ला के साथ बाइक से उसकी ससुराल खागा जाने को गुरुवार दोपहर निकाला था। परिवार के लोगों ने शाम को रोहित से संपर्क किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। थरियांव थाना क्षेत्र के देहुली हाईवे के पास रोहित का रक्तरंजिश शव मिला। आरोपी विजय नशे में मौके पर मौजूद था। पुलिस हत्या के पीछे नशेबाजी का विवाद होना मान रही है। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्रा ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज किया गया है। कोई पुराना विवाद सामने नहीं आया है।

वेल्डिंग कर रहे मिस्त्री की करंट से मौत

कानपुर, संवाददाता। टिनशेड के ऊपर वेल्डिंग करते समय मिस्त्री को करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला किदवई नगर निवासी वेल्डिंग मिस्त्री धनराज विश्वकर्मा (35) बुधवार की शाम कोतवाली के पास एक दुकान में टिनशेड लगाने गए थे। वेल्डिंग करते समय मशीन के होल्डर में करंट आने से करंट लग गया। वहां मौजूद लोगों ने उसे सीएचसी पहुंचाया।

इलाज के दौरान डॉक्टर लवलेश पटेल ने मृत घोषित कर दिया। मामा सोनू ने बताया कि उनक एक पुत्र एक पुत्री है। दो भाइयों में बड़े थे। नरैनी कोतवाल सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि करंट लगने से हादसा हुआ है। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

12 फीट की दुकान पर तान दिया दो मंजिला मकान, एडीए ने लगाई सील

आगरा, संवाददाता। आगरा में एडीए की प्रवर्तन टीमों ने बृहस्पतिवार को शहर में अभियान चलाकर अवैध निर्माण और बिना नक्शा स्वीकृति निर्माण कार्य कराने वालों पर कार्रवाई की। अजीत नगर, खेरिया मोड़ पर प्रीतम सिंह ने दुकान के ऊपर दोमंजिला मकान बनवाया था, जिसे सील कर दिया गया। एडीए अधिकारियों के मुताबिक, पूर्व में नोटिस दिया गया था, लेकिन निर्माण कार्य नहीं रोका गया। रात में चोरी छुपे निर्माण कर लिया गया। दूसरी कार्रवाई घनी आबादी वाले छत्ता वार्ड में की गई। यहां मदार गेट, घास की मंडी पर बिना मानचित्र स्वीकृत किए बेसमेंट की खुदाई की जा रही थी। चारों ओर टिनशेड लगाकर निर्माण कार्य चल रहा था। एडीए की टीम ने पूरन सिंह को चेतावनी दी थी मगर कार्य नहीं रुका। इस पर यहां सील लगाई गई। इसी तरह लोहामंडी में राजेश साइंटिफिक इंडस्ट्रीज में एमजी रोड पर बिना मानचित्र के स्वीकृति के निर्माण कार्य हो रहा था। यहां भी टीम ने सील किया।

आंधी चलने से रातभर गुल रही नगर व देहात की बत्ती

सहारनपुर, संवाददाता। बुधवार की देर शाम आंधी चलने से नगर व देहात की बत्ती रातभर गुल रही। जिसके चलते लोगों को भीषण गर्मी में लोगों का बुरा हाल हो गया। लोगों को रात जागकर काटनी पड़ी। विद्युत विभाग के अधिकारियों का कहना है कि 33केवी बिजलीघर के वीसीबी पैनल में फाल्ट आने से बिजली बाधित रही। आंधी चलने से भले ही लोगों को भीषण गर्मी से कुछ राहत मिली। लेकिन बिजली गुल होने से रातभर लोगों का बुरा हाल रहा। आलम यह था कि दो तीन घंटे बाद ही लोगों के इन्वर्टर जवाब दे गए। जिस कारण लोगों को रात जागकर काटनी पड़ी। बिजली की यह स्थिति संपूर्ण नगर ही नहीं देहात में भी रही। लोगों का कहना था कि रात में अधिकारियों को फोन भी किया, लेकिन रिसीव नहीं किया गया। जिस कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। एसडीओ अनिल कुमार चौरसिया ने बताया कि नगर के सांपला रोड स्थित 33केवी बिजलीघर के वीसीबी पैनल में आंधी के कारण ब्लास्ट हो गया था। रात 12 बजे शुरू हुआ मरम्मत कार्य बृहस्पतिवार की सुबह 8 बजे जाकर समाप्त हुआ।

हाईवे के किनारे पलटी कार, खिड़की के कांच तोड़ते हुए बाहर गिरे युवक, तीन की मौत हुई

फतेहपुर, संवाददाता। फतेहपुर जिले के खागा कोतवाली क्षेत्र में पंजाब के अमृतसर से कोलकाता जा रहे कार सवार तीन लोग सड़क हादसे का शिकार हो गए। हादसा शुक्रवार की दोपहर दो बजे ब्राम्हणपुर मोड़ के पास हुआ। तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंदक में जा गिरी और फिर पलटते हुए खेत में जाकर रुकी। हादसे में तीनों कार सवार छिटककर बाहर आ गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया है। पंजाब प्रांत के अमृतसर के मतेवाड़ा निवासी हरचरणप्रीत (50), जसवीर सिंह (45) और गुरप्रीत (35) ब्रेजा कार से अमृतसर से कोलकाता जाने के लिए निकले थे। शुक्रवार की दोपहर दो बजे करीब वह खागा कोतवाली के ब्राम्हणपुर मोड़ के पास (कानपुर–प्रयागराज हाईवे) से गुजर रहे थे कि अचानक उनकी कार अनियंत्रित होकर हाईवे से नीचे खंदक में चली गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार की रफ्तार बहुत तेज दी और वह हवा में उड़ते हुए नीचे गई और फिर पलटते हुए खेत में जाकर पलट गई।

खिड़की के कांच तोड़ते हुए बाहर गिरे युवक

हादसे के दौरान जब गाड़ी पलटी, तो तीनों कार सवार खिड़की के कांच तोड़ते हुए यहां–वहां जाकर गिरे। राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक तीनों की जान जा चुकी थी। सूचना पर इंस्पेक्टर क्राइम दिनेश चंद्र मिश्रा व महिचा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लिया और सीएचसी भेजा।

100 से अधिक थी कार की रफ्तार

पुलिस परिजनों से संपर्क का प्रयास कर रही थी। कार के अंदर से पुलिस को एक लाइसेंसी रिवाल्वर, एक तलवार, कृपाण मिले हैं। माना जा रहा है कि कार की रफ्तार 100 से अधिक थी, हादसे में कार के एयरबैग भी खुल गए थे। हादसे का कारण चालक को नींद आना माना जा रहा है।

शराब पीने के विरोध में हुआ था दंपती में विवाद

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में शराब पीने का विरोध करने पर गुरुवार शाम को पनकी थानाक्षेत्र स्थित रतनपुर कालोनी में युवक ने पत्नी के सिर पर ईंट से हमलाकर पेचकस घोप दिया। इसके बाद युवक ने खुद की गर्दन को भी ब्लेड से रेत डाला। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को हैलट पहुंचाया, जहां पति की मौत हो गई। वहीं, पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है। रतनपुर कालोनी निवासी मजदूर अर्जुन वाल्मीकि (28) घर के पहले तल पर मां चंद्रा देवी, पत्नी रोशनी और सात साल के बेटे दीपक और पांच साल के वासुदेव के साथ रहता था। रोशनी घरों में चौका बर्तन का काम करती है। बीच के तल पर अर्जुन का बड़ा भाई मंगल पत्नी रेशम व सबसे ऊपर वाले तल पर सबसे बड़ा भाई अशोक अकेले रहता है।

पड़ोसियों ने बताया कि अर्जुन शराब का लती था और अक्सर पति पत्नी में शराब पीने को लेकर विवाद होता था। गुरुवार शाम शराब पीने का विरोध करने पर अर्जुन का पत्नी रोशनी से विवाद हो गया। अर्जुन ने पहले रोशनी के सिर पर ईंट से हमला कर लहूलुहान कर दिया। फिर उसके गले में पेचकस घोंप दिया। तड़पती मां को देख दोनों बच्चों ने शोर मचाया, तब घबराए अर्जुन ने खुद को कमरे में बंद कर अपनी गर्दन को ब्लेड से रेत दिया।

फोरेंसिक टीम की मदद से क्राइम सीन पर साक्ष्य जुटाए

बच्चों का रोना सुनकर पहुंचे पड़ोसियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल दंपती को हैलट इमरजेंसी में भर्ती कराया। वहां इलाज के दौरान अर्जुन की मौत हो गई। इस बीच पुलिस ने फोरेंसिक टीम की मदद से क्राइम सीन पर साक्ष्य जुटाए गए हैं। साथ ही घर में मौजूद रहे बच्चों से भी बात कर घटनाक्रम को जानने का प्रयास कर रही है। एसीपी पनकी टीबी सिंह ने बताया कि मामले में तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

सुबह से कमरे में बंद थे दोनों, लड़ने की आ रही थी आवाजें

अर्जुन के बड़े बेटे दीपक ने बताया कि सुबह से पिता ने मां को कमरे में रोशनी को बंद कर लिया। दिनभ दोनों के जोर जोर से चिल्लाने की आवाजें आ रहीं थी। पापा बहुत गुस्सा थे और वह खाना देने के लिए कह रहे थे। मां ने शराब से पेट भरने की बात कही तो वह भड़क गए। मां रोशनी को धक्का देकर तखत पर गिरा दिया और पास में पड़े पेचकस से उनकी कनपटी, सिर और पेट में एक के बाद एक कई वार कर दिए। हम चीखने लगे तो वह फिर कमरे में चले गए और ब्लेड से अपना गला रेत लिया।

परिजन बोले– पता नहीं था कि बात इतनी बढ़ जाएगी

पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि अक्सर पति पत्नी के बीच विवाद होता था। एक दूसरे पर चिल्लाना आम था। कहा कि उन्हें उम्मीद ही नहीं थी कि दोनों के बीच का विवाद इतना बढ़ जाएगा कि बात जान लेने और देने तक पहुंच जाएगी।

सपा विधायक इरफान की सजा पर सुनवाई पूरी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के जाजमऊ आगजनी मामले में दोषी करार दिए गए सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी व साथी शौकत अली, मो. शरीफ और इसराइल आटे वाला की सजा पर सुनवाई एमपीएमएलए सेशन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी की अदालत में पूरी हो गई है। कोर्ट ने सजा सुनाने के लिए शाम छह बजे का वक्त निर्धारित किया है। जाजमऊ की डिफेंस कॉलोनी में स्थित एक प्लॉट में रहने वाली नजीर फातिमा के घर में सात नवंबर 2022 को आग लग गई थी। नजीर ने सपा विधायक इरफान सोलंकी, उनके भाई रिजवान सोलंकी व उनके साथियों पर आग लगाने का आरोप लगाया था। मामले में इरफान, रिजवान, मो. शरीफ, शौकत अली व इजराइल आटे वाला को 3 जून को कोर्ट ने आगजनी, नुकसान पहुंचाने, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में दोषसिद्ध किया था। वहीं, सजा के बिंदु पर सुनवाई के लिए सात जून की तारीख तय की थी। सजा सुनाने के लिए इरफान को महाराजगंज जेल से नहीं लाया गया है। बाकी चारों आरोपी कोर्ट में मौजूद हैं। सजा पर सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से डीजीसी दिलीप अवस्थी, एडीजीसी भास्कर मिश्रा व पीड़ित नजीर की अधिवक्ता प्राची श्रीवास्तव ने तर्क रखा कि दोषी इरफान सोलंकी लोक सेवक हैं, उनकी जिम्मेदारी औरों से ज्यादा थी। इसलिए उनको अधिकतम सजा सुनाई जाए और अधिकतम जुर्माना लगाया जाए।

विधायकी पर भी खतरा, इसलिए कम से कम सजा सुनाई जाए

वादिनी पीड़िता है गरीब है, बेघर है, जुर्माने की अधिकतम राशि पीड़िता को दी जाए। वहीं, बचाव पक्ष की ओर से इरफान रिजवान के अधिवक्ता सईद नकवी, शिवाकांत दीक्षित व करीम अहमद सिद्दीकी ने तर्क रखा गया कि दोषी इरफान सोलंकी विधायक हैं सजा से उनकी विधायकी पर भी खतरा है इसलिए कम से कम सजा सुनाई जाए।

फैसले के लिए शाम छह बजे का समय निर्धारित

वहीं, शौकत की ओर से अधिवक्ता रवींद्र वर्मा ने तर्क रखा कि बुजुर्ग हैं 65 साल की उम्र है सजा में रहम बरता जाए। शरीफ की ओर से अधिवक्ता चंद्रभान शर्मा ने गरीब होने का तर्क दिया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसले के लिए शाम छह बजे का समय निर्धारित किया है।

रिजवान बोला– बेगुनाही की काट रहे जेल, ऊपर वाला है

आज सजा की सुनवाई के लिए रिजवान समेत सभी आरोपियों को कोर्ट लाया गया। रिजवान ने कहा कि हम दोनों भाई बेगुनाह इंसाफ होगा। केडीए सरकारी संस्था और हमने केडीए से प्लॉट खरीदा। कहा कि इंसाफ होकर रहेगा, ये फर्जी मुकदमा है। बेगुनाही की काट रहे जेल, ऊपर वाला है।

केस्को के दावे फ्यूज - गर्मी में झुलस रहे ट्रांसफार्मर, 19 घंटे तक गुल रही बिजली

कानपुर, संवाददाता। बढ़ती उमस के बीच कानपुर में हो रही बिजली कटौती ने लोगों को परेशान कर दिया है। बिजली के ओवरलोड से ट्रांसफार्मर फुंक रहे हैं। गुरुवार को किसी क्षेत्र में 19 घंटे तो किसी सबस्टेशन से 12 से 15 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रही। इसके अलावा फॉल्ट, ट्रिपिंग और अन्य तकनीकी गड़बड़ियों के चलते सवा लाख घरों की बिजली गुल रही। भीषण गर्मी और उमस के बीच उपभोक्ता बेहाल रहे। केस्को के अफसर गर्मी के पहले से ही दावा करने लगे थे कि भीषण गर्मी में कम बिजली गुल हो, इसके लिए इंतजाम कर लिए गए हैं। रिवैंप्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (आरडीएसएस) और बिजनेस प्लान के तहत बिजली सुधार की दिशा में अब तक 230 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं, फिर भी गर्मी में होने वाले फॉल्ट से लोग हलकान हैं। करीब 100 ट्रांसफार्मर, केबल, एचटी–एलटी सर्किट आदि बदले गए, लेकिन भीषण गर्मी में पड़ा ओवरलोड ये उपकरण एक गर्मी भी नहीं झेल पाए।

झंडा तिराहे पर लोगों ने हंगामा किया

गुरुवार को किदवईनगर खंड के परमपुरवा सबस्टेशन के अंतर्गत 400 केवीए सुबोध चोपड़ा ट्रांसफार्मर की बुशिंग में बुधवार देर रात 12रू59 बजे फॉल्ट के चलते ट्रांसफार्मर बंद हो गया। यहां बुशिंग जोड़ने और सप्लाई चालू कराने में 19 घंटे का समय लगा। गुरुवार की शाम आठ बजे तक ट्रांसफार्मर से जुड़े घरों की लाइट आ सकी। बिजली न आने से परमपुरवा में झंडा तिराहे पर लोगों ने हंगामा किया।

दोपहर 1:05 से शाम पांच बजे तक बिजली नहीं आई

पुलिस ने सभी को शांत कराया। कल्याणपुर डिवीजन के आईआईपीआर सबस्टेशन में सुबह 7:15 बजे ब्रेकर में धमाका हो गया, जिससे 11 केवी बीज भंडार फीडर की सप्लाई अचानक प्रभावित हो गई। यहां शाम छह बजे तक बिजली आई। गोविंदनगर सब स्टेशन के विद्युत कॉलोनी सबस्टेशन में 400 केवी ट्रांसफार्मर खराब हो गया। इस ट्रांसफार्मर से जुड़े उपभोक्ताओं के घरों में दोपहर 1:05 से शाम पांच बजे तक बिजली नहीं आई।

ट्रांसफार्मर का गार्डिंग नेट ट्रक की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया

करीब साढ़े पांच बजे बिजली आ सकी। सर्वोदयनगर डिवीजन के आरटीओर सब स्टेशन का केबल डैमेज हो गया, जिससे 400 केवीए रामलीला ट्रांसफार्मर सुबह 8रू10 से दोपहर 12 बजे तक ठप रहा। किदवईनगर खंड के बाबूपुरवा उपकेंद्र के अंतर्गत 400 केवीए कब्रिस्तान ट्रांसफार्मर का गार्डिंग नेट ट्रक की टक्कर से क्षतिग्रस्त हो गया। यहां सुबह 9रू30 से 10रू30 बजे तक आपूर्ति बाधित रही।

बिजली का लोड 700 मेगावाट रहा

हैरिसगंज खंड के रूमा सबस्टेशन का 11 केवी केआईटी फीडर बूंदाबांदी और तेज हवा की वजह से सुबह 5:40 से सात बजे तक बंद रहा। दादानगर खंड के उद्योगकुंज उपकेंद्र की फीडर ट्रॉली में सुबह छह बजे स्पार्किंग हुई, जिससे सात बजे तक 11 केवीए मेन रोड फीडर को शटडाउन लेना पड़ा। गुरुवार को बिजली का लोड 700 मेगावाट रहा।

प्रधानों ने डीएम कार्यालय पर किया धरना प्रदर्शन

सहारनपुर, संवाददाता। अखिल भारतीय पंचायत परिषद से जुड़े प्रधानों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर नारेबाजी कर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्राम प्रधानों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाते हुए सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा। बृहस्पतिवार को ग्राम प्रधानों ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इसके बाद धरना दिया। सिटी मजिस्ट्रेट को मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में उन्होंने आरोप लगाया कि पंचायती राज विभाग द्वारा ग्राम प्रधानों के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायती राज विभाग ने हाल ही में फरमान जारी किया है कि पंचायत सहायक के चेहरा दिखाने पर ही ई–ग्राम पोर्टल खुलेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक को ग्राम प्रधान की संस्तुति पर ही संविदा पर रखा गया है। अधिकांश पंचायत सहायक न तो इसके लिए प्रशिक्षित हैं और न ही योग्य। उन्होंने कहा कि क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत को पिछले तीन वर्षों से ग्राम पंचायतों की 30 प्रतिशत निधि दी जा रही है। इसे तत्काल प्रभाव से वापस कराया जाए।

सड़क हादसे में घायल दूसरे युवक ने भी दम तोड़ा

बांदा, संवाददाता। सड़क हादसे में वाहन की टक्कर से घायल हुए दूसरे बाइक सवार ने भी दम तोड़ दिया। उसे परिजनों ने रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। देर रात इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मरका थाना क्षेत्र के भभुवा गांव निवासी रामकरन उर्फ मंगी (35) व राजेश सिंह पटेल (35) किसी काम से बबेरू आए थे। यहां से वह बुधवार की देर शाम भभुवा जा रहे थे। अरथरा मोड़ के पास चार पहिया वाहन ने उन्हें टक्कर मार दिया, जिससे दोनों गंभीर घायल हो गए थे। राहगीरों ने दोनों को इलाज के लिए सीएचसी भेजा था। यहां डॉक्टरों ने रामकरन को मृत घोषित कर दिया था।

बार एसोसिएशन के चुनाव में दोनों गुट आमने–सामने

सहारनपुर, संवाददाता। दि कलक्ट्रेट बार एसोसिएशन के चुनाव में स्थिति स्पष्ट हो गई है। बृहस्पतिवार को किसी भी प्रत्याशी ने नाम वापस नहीं लिया है। इसके चलते दोनों गुटों के बीच आमने–सामने चुनाव होगा। दि कलक्ट्रेट बार सभागार में मुख्य चुनाव आयुक्त ठाकुर सौराज सिंह, चुनाव आयुक्त अजय त्यागी एवं रणधीर सिंह ने बताया कि किसी भी प्रत्याशी ने अपना नामांकन वापस नहीं लिया है। इसके चलते नामांकन करने वाले दोनों गुटों के सभी उम्मीदवार चुनावी मैदान में रहेंगे।

एक गुट की ओर से अध्यक्ष पद के लिए ऋषिपाल सिंह, महासचिव पद के लिए विपिन कुमार मौर्य और कोषाध्यक्ष पद के लिए सुनील कुमार और अन्य 17 पदों के लिए नामांकन पत्र जमा कराए गए हैं।

दूसरे गुट की तरफ से अध्यक्ष पद के लिए संजीव कुमार, महासचिव पद के लिए सरौत्तन सिंह, कोषाध्यक्ष पद के लिए दीपाली वर्मा ने और अन्य 17 पदों के लिए नामांकन पत्र जमा कराए गए। चुनाव मतदान 12 जून को सुबह आठ से अपराह्न तीन बजे तक होगा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।